B.Com-II
29.07.

Money & Banking (S)

By, Sujeet Kr. Suman
R.N. College
Hajipur

Chapter No → 03, Gold Standard, Theory of money

Q1. स्वर्ण मुद्रामान में होता है —

(a) स्वर्ण सिक्कों का चलन (b) स्वतंत्र सिक्कों की स्वतंत्र ढलाई

(c) स्वर्ण का मानक सिक्का (d) उपरोक्त सभी

Ans → (d) उपरोक्त सभी

Q2. स्वर्ण विनिमय मान सर्वप्रथम अपनाया था —

(a) अमेरिका (b) इंग्लैण्ड (c) हॉलैण्ड (d) रूस

Ans → (c) हॉलैण्ड

Q3. "स्वर्णमान ईर्ष्यालु देव है। यह उसी परिस्थिति में कार्य करता है जब इसकी तन-मन से साधना की जाये।" यह कथन है —

(a) क्राउथर (b) रॉबर्टसन (c) हॉबरलर (d) कैमरर

Ans → (a) क्राउथर

Q4. वर्तमान में भारत में स्वर्णमान है —

(a) स्वर्ण मुद्रामान (b) स्वर्ण मात्रामान (c) स्वर्ण विनिमय मान (d) इनमें से कोई नहीं

Ans → (d) इनमें से कोई नहीं

Q5. किस देश में अधिकतम विश्वासाश्रित पत्र मुद्रा प्रणाली प्रचलन में थी —

(a) जर्मनी (b) इंग्लैण्ड (c) फ्रांस (d) जापान

Ans → (c) फ्रांस

Q6. किस कागजी मुद्रा प्रणाली के पीछे शत-प्रतिशत-धातु कोष स्थापित किया जाता है —

(a) साधारण जमा पद्धति (b) न्यूनतम निधि पद्धति

(c) कोषागार विपत्र निधि पद्धति (d) प्रारम्भिक सम्पत्ति पद्धति

Ans → (a) साधारण जमा पद्धति

Scanned with CamScanner

07. भारत में वर्तमान में कागजी मुद्रा प्रणाली प्रचलन में है —
(a.) साधारण जमा पद्धति (b.) आनुपातिक निधि पद्धति
(c.) न्यूनतम निधि पद्धति (d) प्रतिशत निधि पद्धति
Ans → (C) न्यूनतम निधि पद्धति

08. सन् 1927 में हिल्टन यंग आयोग ने भारत में किस पत्र मुद्रा प्रणाली की सिफारिश की थी —
(a.) प्रतिशत निधि पद्धति (b.) आनुपातिक निधि पद्धति
(c) न्यूनतम निधि पद्धति (d) साधारण जमा पद्धति
Ans → (b) आनुपातिक निधि पद्धति

09. मुद्रा के मूल्य से आशय है —
(a.) मुद्रा की ब्याज दर (b.) मुद्रा का बाहरी कीमत स्तर
(c) मुद्रा की सामान्य क्रय-शक्ति (d) उपरोक्त सभी
Ans → (d) उपरोक्त सभी

10. मुद्रा का मूल्य निर्धारित होता है —
(a.) मुद्रा की मांग से (b) मुद्रा की पूर्ति से (c) मुद्रा की मांग एवं पूर्त्ति दोनों से
(d) इनमें से कोई भी नहीं
Ans → (C) मुद्रा की मांग एवं पूर्त्ति दोनों से

11. मुद्रा के परिमाण सिद्धांत का सबसे पहले प्रतिपादन था —
(a.) दवनजती (b.) इरविंग फिशर (c) डेविड रिकार्डो (d) जे० एस० मिल
An. — (a) दवनजती

12. मुद्रा की आत्मा इसकी इकाईयों में प्रयुक्त सामग्री में निहित नहीं है, बल्कि उन कानूनी अध्यादेशों में है जो उसके प्रयोग को नियमित करते हैं।" यह कथन है —
(a.) जार्ज० एफ० नैप का (b) डी० एस० राबर्टसन (c) जॉन स्टुअर्ट मिल (d) जे०एस० मिल
Ans — (a) जार्ज० एफ० नैप का

— • —

Scanned with CamScanner